नई सोच, नया आयाम

जोहार छत्तीसगढ़

RNI No. CHHHIN/2009/35020

दैनिक हिन्दी

◆ वर्ष: -14 ◆ अंक: 229 डाक पंजीयन 030/रायगढ़/2015-2017 ◆ मूल्य: 2 ₹ ◆ पृष्ठ : 4

धरमजयगढ़, मंगलवार 28 जून 2022

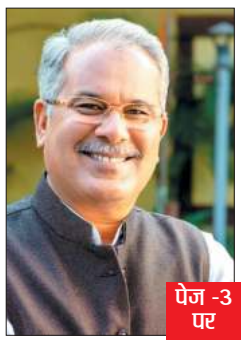

पेज -3 पर

सार्वभौम पीडीएस योजना से जिले में 1 लाख 77 हजार परिवार ...

स्वामी आत्मानंद स्कूल नवागढ़ के शाला प्रवेश उत्सव में कलेक्टर ...

पेज -4 पर

JOHAR CHHATTISGARH epaper for login www.joharchhattisgarh.in

एक नजर

एक ही परिवार के 9 लोग फूड प्वाइजनिंग के शिकार

कवर्धा. जिला मुख्यालय से लगे भागुटोला गांव के एक ही परिवार के बुजुर्ग और बच्चे समेत 9 लोग फूड प्वाइजनिंग के शिकार होने से तबियत बिगड़ गई. सभी लोग एक-एक कर उल्टी और पेट दर्द से तड़पने लगे. हालत बिगड़ता देख रात तीन बजे डॉयल 112 की पुलिस टीम को मामले की जानकारी दी. सूचना के बाद डॉयल 112 की पुलिस टीम संजीवनी एक्सप्रेस 108 को लेकर घटना स्थल पहुंची.

कैदी ने फांसी लगा की खुदकुशी, जेल में मचा हड़कंप

सरगुजा। अंबिकापुर केंद्रीय जेल में कैदी ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। इस घटना से जेल में हड़कंप मच गया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार केंद्रीय जेल अम्बिकापुर के बैरक नम्बर 9 के बाथरूम में कल रात 11 बजे के करीब कैदी ने फांसी लगा कर जान दे दी। मृतक लुकनू राम (40 वर्ष) राजपुर क्षेत्र का रहने वाला था और वह हत्या के आरोप में सजायाफ्ता कैदी था। नायब तहसीलदार सहित अन्य अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर घटनास्थल का जायजा लिया। बताया जा रहा कि आज परिजनों के समक्ष पीएम किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने फूड प्रोसेसिंग एवं पैकेजिंग लैब का लोकार्पण किया

आत्मनिर्भरता की ओर कदम बढ़ा रहीं स्वसहायता समूहों की महिलाएं , कृषक उत्पादक संगठन से जुड़कर तकनीकी और व्यावसायिक हुनर को संवार रहीं

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने आज जशपुर जिले के रंजीता स्टेडियम परिसर में स्थित फूड प्रोसेसिंग एंड पैकेजिंग लैब में खाद्य उत्पाद प्रसंस्करण प्रयोगशाला एवं पैकेजिंग केंद्र भवन का लोकार्पण किया। यह भवन डीएमएफ फंड द्वारा लगभग 22 लाख 72 हजार रुपए की लागत से तैयार किया गया है। यहां स्थापित विभिन्न मशीनों की लागत लगभग 34 लाख रुपए है। अधिकारियों ने बताया कि यह प्रदेश का पहला उच्च स्तरीय लैब है, जिसमें विभिन्न उत्पादों के रॉ-मटेरियल को प्रसंस्कृत कर विक्रय के लिए सी मार्ट में भेजा जाता है, जिससे समूह की महिलाओं को अच्छी आमदनी प्राप्त हो रही है। उत्पादों को प्रसंस्कृत करने के लिए बॉन्ड सिलर, इलेक्ट्रोमैग्नेटिक कैप सिलर, ऑटोमैटिक ग्रेनुअल फीलिंग मशीन, टी बैग फीलिंग मशीन, वैक्यूम पैकेजिंग, च्यवनप्राश एवं हनी पैकेजिंग, सैनिटाइजर फीलिंग मशीन, बी ओ डी इंक्यूबेटर, लेमिनर एयर फ्लो, फ्यूम हुड, मॉइश्चर एनालाइजर जैसी अत्याधुनिक मशीनों का प्रयोग किया जाएगा।

'अग्निपथ' के विरोध में कांग्रेस का 'सुंदरकांड'

रायपुर में पाठ कर केंद्र सरकार के सद्बुद्धि की कामना, नेताओं ने कहा-यह योजना देश से धोखा

रायपुर. रक्षा सेनाओं में भर्ती के लिए केंद्र सरकार की अग्निपथ योजना के विरोध में कांग्रेस सड़क पर है। रायपुर में सोमवार को कांग्रेस नेताओं-कार्यकर्ताओं ने अलग-अलग विधानसभा क्षेत्रों में सत्याग्रह किया।

रायपुर पश्चिम विधानसभा के विधायक विकास उपाध्याय की अगुवाई में पं. रविशंकर शुक्ल यूनिवर्सिटी गेट के पास स्थित हनुमान मंदिर के सामने प्रदर्शन हुआ। कांग्रेस नेताओं ने सुंदरकांड का पाठ कर केंद्र सरकार की सद्बुद्धि की प्रार्थना की। इसके अलावा प्रदेश के अलग-अलग विधानसभा क्षेत्रों में भी सत्याग्रह किया गया है।

कांग्रेस ने प्रदेश के सभी 90 विधानसभा क्षेत्रों में सत्याग्रह की घोषणा पिछले सप्ताह की थी। तीन दिन पहले सभी ने जगह तय कर लिया। एक दिन पहले से ही ही इसकी तैयारियां शुरू हो गई। सोमवार सुबह 10 बजे से ही सत्याग्रह के मंच पर कार्यकर्ताओं का जुटना शुरू हो गया। रायपुर दक्षिण विधानसभा के कार्यकर्ताओं ने मोतीबाग के पास राजीव गांधी चौक पर प्रदर्शन किया। वहीं रायपुर उत्तर क्षेत्र के विधायक कुलदीप सिंह जुनेजा ने देवेंद्र नगर में अपना पंडाल लगाया। इधर रायपुर पश्चिम के कार्यकर्ताओं ने यूनिवर्सिटी गेट के पास स्थित हनुमान मंदिर से सड़क तक मंच लगा दिया। वहां नेताओं ने पहले मंदिर में हनुमान जी की पूजा की। उसके बाद ढोलक, झाल और की-पैड के साथ कार्यकर्ताओं ने रामचरित मानस के सुंदरकांड का पाठ शुरू कर दिया। पाठ के बाद नेताओं ने मंच संभाला। अग्निपथ योजना पर आपत्ति की।

मुख्यमंत्री को पाटन में करना था प्रदर्शन

कांग्रेस ने सभी विधायकों को उनके क्षेत्र के सत्याग्रह का नेतृत्व सौंपा है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को भी अपने गृह क्षेत्र पाटन में अग्निपथ विरोधी प्रदर्शन का नेतृत्व करना था। वे दो दिनों ने जशपुर जिले के दौरे पर हैं। अभी तक वे जशपुर से नहीं निकले हैं। इधर कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष मोहन मरकाम ने कोण्डागांव विधानसभा में सत्याग्रह किया है। जिन क्षेत्रों में कांग्रेस के विधायक नहीं हैं, वहां सांसदों, PCC पदाधिकारियों, जिला कांग्रेस के अध्यक्ष और पूर्व विधायकों को नेतृत्व सौंपा गया है।

सबसे बड़ा थोक बाजार

नया रायपुर के सेक्टर 35 में 750 एकड़ जमीन पर बनेगा नया होलसेल कॉरिडोर

रायपुर। छत्तीसगढ़ का सबसे बड़ा होलसेल कॉरीडोर मार्केट अब नवा रायपुर में बनेगा। नए बाजार के लिए करीब एक साल से हो रही जमीन की तलाश अब पूरी हो गई है। इसके लिए सेक्टर 35 के अलावा आसपास की जगहों पर 750 एकड़ से ज्यादा जमीन की पहचान कर ली गई है। नवा रायपुर विकास प्राधिकरण ने जमीनों के लैंड यूज बदलने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी है। छत्तीसगढ़ चैंबर और अफसरों का दावा है कि डेढ़ साल के भीतर नया बाजार तैयार कर लिया जाएगा।नया होलसेल कॉरीडोर मार्केट सर्वसुविधायुक्त होगा। इसमें 85 व्यापारी संगठनों की 7866 से ज्यादा दुकानें शिफ्ट होगी। एनआरडीए के सीईओ डॉ. अजय तंबोली ने बताया कि लैंड यूज चेंज किया जा रहा है। जल्द ही रिपोर्ट सरकार को भेजी जाएगी। अनुमति के बाद चैंबर को तय कीमत पर जमीन अलॉट कर दी जाएगी। राजधानी में अभी थोक और चिल्हर का कारोबार अलग-अलग इलाकों में हो रहा है। रामसागरपारा, तेलघानी नाका, गोलबाजार, गुढ़ियारी, पेटी लाइन, हलवाई लेन, एमजी रोड, स्टेशन रोड, मालवीय रोड समेत कई बाजार ऐसे हैं जहां से सुबह से रात तक गाड़ियों का आना-जाना लगा रहता है।

स्वास्थ्य मंत्री के बाद उनके भतीजे आदित्येश्वर भी कोरोना संक्रमित

24 घंटे में 98 मरीज, इनमें रायपुर, बिलासपुर और दुर्ग में 90, एक्टिव केस 696 हुए

रायपुर। छत्तीसगढ़ में कोरोना संक्रमण की दर चिंताजनक रूप से बढ़ रही है। रविवार को प्रदेश की कोरोना संक्रमण दर 2.17% पहुंच गई। सात जिलों से ही 98 नए लोगों में संक्रमण की पुष्टि हुई है। स्वास्थ्य मंत्री टीएस सिंहदेव के बाद उनके भतीजे और सरगुजा जिला पंचायत के उपाध्यक्ष आदित्येश्वर शरण सिंहदेव भी कोरोना की चपेट में आ गए हैं।

आदित्येश्वर ने सोशल मीडिया के जरिए खुद के पॉजिटिव मिलने की सूचना दी। उन्होंने लिखा, बड़े दाऊ श्री टीएस सिंहदेव जी के कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव आने के बाद मैंने अपनी कोविड की जांच करवाई, जिसमें मेरी रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। अभी मेरा स्वास्थ्य ठीक है और चिकित्सीय परामर्श अनुसार होम आइसोलेशन में हूं।

देर रात स्वास्थ्य विभाग की ओर से जारी बुलेटिन में बताया गया, रविवार को रात 8.30 बजे तक कोरोना संदिग्धों के 4508 नमूनों की जांच की गई।

इस दौरान 98 नए लोगों में संक्रमण का पता चला। ये मरीज केवल सात जिलों रायपुर, दुर्ग, बिलासपुर, बलरामपुर, जशपुर, कांकेर और बेमेतरा से ही आए। चिंताजनक यह कि इन मरीजों में से 90 संक्रमित केवल तीन जिलों रायपुर, दुर्ग और बिलासपुर से हैं।

रायपुर में सबसे अधिक 42, दुर्ग-भिलाई में 36 और बिलासपुर में 12 नए मरीज मिले। बलरामपुर में 4, जशपुर में 2 और बेमेतरा-कांकेर में एक-एक मरीज सामने आए हैं।

लोकतांत्रिक अधिकार से वंचित किया जा रहा : रमन

सरायपाली । भाजपा के तीन दिवसीय जिला स्तरीय प्रशिक्षण वर्ग के समापन अवसर पर विशेष रूप से उपस्थित पूर्व मुख्यमंत्री रमन सिंह ने प्रेस वार्ता में पत्रकारों को संबोधित किया। सर्वप्रथम उन्होंने भाजपा के इस आयोजन की प्रशंसा की और प्रदेश सरकार को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि आज 25 जून है और आज के ही दिन सन 1975 में देश में आपातकाल लागू हुआ था उन्होंने इसे एक काला दिन बताया। उन्होंने कहा कि इस दौरान पत्रकारों पर प्रतिबंध लगाया गया, प्रेस बंद हो गए, पत्रकारों को जेल में डाल दिया गया, 21 महीने तक चले इस आपातकाल में प्रताड़ित करते हुए लगभग सवा लाख लोगों को जेल में डाल दिया गया था, जिसमें भाजपा के वरिष्ठ नेता लालकृष्ण आडवाणी, अटल बिहारी बाजपेई, जयप्रकाश नारायण आदि भी शामिल थे।

स्कूल में प्रवेश से पहले घर का सर्वे

गरीब बच्चों के लिए मुफ्त पढ़ाई, सुविधाएं निजी स्कूल जैसी

रायपुर। नवा रायपुर के राखी गांव में एक स्कूल है। पढ़ाई इंग्लिश मीडियम में पर पूरी तरह मुफ्त, सुविधाएं किसी शीर्ष निजी स्कूल जैसी... पर एडमिशन सिर्फ गरीब बच्चों को ही मिलता है, वह भी सिर्फ केजी-1 में। इसके मापदंड भी बाकी स्कूलों से जुदा हैं। न तो बच्चे का टेस्ट लिया जाता है न माता-पिता का। यहां दाखिले के पहले बच्चे के घर जाकर देखा जाता है कि उसके घर मोटरसाइकिल, कूलर, फ्रिज, वॉशिंग मशीन और टीवी तो नहीं है, जिस बच्चे के घर ये सुविधा मिली, उसे प्रवेश नहीं मिलता। आमतौर पर स्कूलों में एडमिशन के लिए टेस्ट के आधार पर टॉप लिस्ट तैयार करने के बाद प्रवेश दिया जाता है, पर यहां एडमिशन के लिए गरीबी की टॉप लिस्ट बनाने का सिस्टम है। इसके लिए स्कूल की सर्वे टीम पूरे साल घूमती है। सर्वे के दौरान जहां 5 से 6 साल तक के बच्चे मिलते हैं, उन परिवारों की कुंडली बनाई जाती है। स्कूल प्रबंधन ने नवा रायपुर के प्रभावित 41 गांवों का चयन किया है।

खाने-पीने पर भी ध्यान

स्कूल में क्लास सुबह 8.30 बजे से शुरू हो जाती हैं। बच्चों को वैरायटी वाला नाश्ता और लंच दिया जाता है। शाम को छुट्टी के पहले बिस्किट के साथ 200 मिली दूध दिया जाता है। स्कूल का फर्नीचर भी छोटे और बड़े बच्चों के हिसाब से अलग डिजाइन किया गया है। बच्चों को गांव-गांव से लाने और घर छोड़ने के लिए बस सुविधा रखी गई है। यानी माता-पिता को बच्चों को स्कूल लाने-छोड़ने की जिम्मेदारी भी नहीं निभाना पड़ती।

हाइवे पर भीषण भिड़ंत में एक की मौत, अन्य घायल

रायपुर। रायपुर-बिलासपुर नेशनल हाइवे में एक सड़क हादसे में मौके पर एक व्यक्ति की मौत हो गई, अन्य लोग घायल हो गये। ट्रक और ट्रेक्टर में भिड़ंत की वजह से यह हादसा हुआ। बताया जा रहा है कि हादसे में गंभीर चोट लगने से ट्रेक्टर चालक की मौके पर मौत हो गई, जबकि अन्य घायल हो गए।

मिली जानकारी के मुताबिक यह हादसा बीती रात तिल्दा के पास हुआ। बताया जा रहा है कि टक्कर इतनी तेज थी कि ट्रैक्टर पलट गया। जिसकी चपेट में आने से चालक की मौत हो गई। हादसे की सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची तिल्दा पुलिस ने शव बरामद किया। मामले की विवेचना की जा रही है।

समीक्षा.. उर्वरकों के मांग-उपलब्धता एवं वितरण की समीक्षा

किसानों की जरूरत के हिसाब से समितियों में खाद की उपलब्धता सुनिश्चित करें: मुख्य सचिव

रायपुर। मुख्य सचिव अमिताभ जैन ने खरीफ मौसम में किसानों को उनकी जरूरत के हिसाब से खाद की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

उन्होंने अधिकारियों से कहा है कि खाद-बीज की उपलब्धत की समितिवार नियमित रूप से मॉनिटरिंग की जाए। श्री जैन आज खरीफ वर्ष 2022-23 के लिए प्रदेश में रासायनिक उर्वरकों की मांग, उपलब्धता व वितरण की स्थिति की समीक्षा कर रहे थे। मंत्रालय में आयोजित समीक्षा बैठक में श्री जैन ने अधिकारियों से कहा है कि धान की फसल के उत्पादन के लिए चरणबद्ध तरीके से जरूरी उर्वरकों की उपलब्धता समिति स्तर पर हो। रोपा लगाने के समय, पौधे की वृद्धि के समय, बीज अंकुरन के दौरान जिन-जिन उर्वरकों की जरूरत होती है, उसकी उपलब्धता उसी समय के अनुसार प्रत्येक समिति में होना चाहिए। इसके लिए समितिवार तैयारी करने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने कहा है कि किसी रासायनिक खाद की कमी के कारण फसल उत्पादन प्रभावित ना हो इसके लिए उसके विकल्प के रूप में अन्य खाद भी पर्याप्त मात्रा में सोसायटी में उपलब्ध हो। मुख्य सचिव ने समितिवार खाद की आवश्यकता एवं उपलब्धता के लिए कृषि विभाग मार्कफेड और अपेक्स बैंक को नियमित निगरानी करने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि खरीफ वर्ष 2022-23 के दौरान फसल परिवर्तन करने वाले किसानों की विशेष रूप से सहायता की जाए। इस वर्ष धान की फसल के बजाए दलहन या अन्य फसलों का उत्पादन करने वाले किसानों को गुणवत्ता युक्त बीजों के साथ ही अन्य जरूरी संसाधन उपलब्ध कराने विशेष प्रयास किया जाए, जिससे फसलोत्पादन में वृद्धि हो और अन्य किसानों को भी फसल परिवर्तन के लिए प्रेरणा मिल सके।

सहकारी समितियों में खाद-बीजों की उपलब्धता की प्रतिदिन मानीटरिंग के निर्देश

जोहार छत्तीसगढ़ विशेष खबर

रक्षा मंत्रालय ने डायरेक्टोरेट ऑफ नेवल ट्रेनिंग, आईएनएस चिल्का को जारी किए निर्देश

रायपुर। छत्तीसगढ़ में लूट, डकैती और हत्या के बाद अज्ञात आरोपियों के सीसीटीवी कैमरे फुटेज तो मिल रहे हैं, लेकिन ज्यादातर फुटेज से ये पता नहीं चल पा रहा है कि वे कौन हैं? कैमरे में साफ और स्पष्ट तस्वीर मिलने के बाद भी पुलिस उनकी पहचान नहीं कर पा रही है। ऐसे अपराधी पुलिस को चकमा देकर निकल जा रहे हैं।

आने वाले दिनों में ऐसा नहीं होगा। कोई भी अपराधी या बदमाश कैमरे के सामने जैसे ही गुजरेगा, पुलिस कंट्रोल रूम में अलर्ट का अलार्म बजेगा और अपराधियों की कुंडली पुलिस को ऑनलाइन ही मिल जाएगी। सीसीटीवी कैमरा खतरे का संकेत देने के साथ पुलिस को अलर्ट भी करेगा। नए हाईटेक सिस्टम से ये भी पता चल जाएगा कि घटना में कौन शामिल था और किसकी गाड़ी का उपयोग किया गया है।

क्राइम कंट्रोल करने और अपराधियों को पकड़ने के लिए पुलिस हाईटेक सॉफ्टवेयर तैयार करवा रही है। उसमें अपराधी की पूरी हिस्ट्री अपलोड रहेगी। उसके बाद के उस साफ्टवेयर को कैमरे से लिंक करेंगे। साफ्टवेयर को ऐसा डिजाइन किया जा रहा है कि जैसे ही अपराधी उसकी जद में आएंगे यानी कैमरे की रेंज से गुजरेंगे कैमरा पुलिस को अलर्ट करेगा।

विमर्श के अभाव में सुलगता देश: योजनाओं की घोषणा और पीछे कदम लेती सरकार

कमोबेश पूरा देश इन दिनों विरोध की लपटों के चपेट में है। केंद्र की ओर से घोषित सैन्य बहाली की नई योजना अग्निपथ के खिलाफ उठी चिंगारी देखते ही देखते आग के शोलो में तब्दील हो गई है। विरोध की इस आग में भारतीय रेलवे की करोड़ों की सम्पत्ति अब तक स्वाहा हो चुकी है। अग्निपथ पर खड़े देश को सुलगाने और चोटिल करने की कोशिश अचानक की नहीं है। आगजनी और पत्थरबाजी के सुनियोजित षड्यंत्र की आंच पिछले कुछ दिनों से लगातार लगातार जलाई जा रही थी।

लघु अवधि सैन्य सेवा की योजना अग्निपथ पर केंद्र सरकार, तीनों सेना के प्रमुख, और सैन्य सेवा की तैयारी कर रहे युवाओं के अलावा सेना के रिटायर्ड वेटरन्स की अपनी अपनी राय है।

अग्निपथ योजना लेकर जहां देश के प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में देशवासियों को आश्वस्त करते हुए कहा है की समय आने पर इसका फायदा दिखेगा। वहीं सर्वोच्च सैन्य अधिकारियों ने इसे बहुप्रतीक्षित बताया है, इनके अनुसार सेना सन 1989 से ही इस परिवर्तन को लेकर प्रयत्नशील थी। किंतु उचित समय की प्रतीक्षा में यह लंबित था। अब जब कोरोना काल के नाते पिछले दो वर्षों से सैन्य बलों मे भर्ती रुकी पड़ी है। ऐसे में इस योजना को लाने का इससे बेहतर अवसर हो ही नहीं सकता। साथ ही सैन्य बलों मे जवानों की नियमित और पूर्ववर्ती भर्ती पर रोक की घोषणा भी सेना कर चुकी है। जहां तक इसके पक्ष में दलीलों की बात करें तो यह युगांतरकारी है। इससे सैन्य बलों की औसत आयु कम होगी। देश को युवा सैनिक मिलेंगे। इनमें से एक चौथाई को आगे स्थाई नियुक्ति भी मिलेगी। वहीं सैन्य बलों में कटौती के कारण भविष्य में भारतीय सेना तकनीकी आधारित युद्ध मे सक्षम होगी। इन अग्निवीरों के लिए अर्धसैनिक एवं पुलिस बलों मे आरक्षण की व्यवस्था बनाई गई है। वहीं देश के व्यवसायी घरानों के साथ ही विभिन्न राजनैतिक दलों के कार्यालयों में भी इनके लिए सेवा के बेहतर अवसर होंगे।

कमोबेश पूरा देश इन दिनों विरोध की लपटों के चपेट में है। केंद्र की ओर से घोषित सैन्य बहाली की नई योजना अग्निपथ के खिलाफ उठी चिंगारी देखते ही देखते आग के शोलो में तब्दील हो गई है। अग्निपथ योजना लेकर जहां देश के प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में देशवासियों को आश्वस्त किया है।

अग्निपथ योजना के तहत अग्निवीर बनने वाले इन युवाओं को सेवा अवधि उपरांत लाखों रुपये मिलेंगे। इसके बावजूद भी देश का युवा आक्रोशित है? विपक्षी दल इसे भुनाने और सुलगाने में लगे हैं। जबकि देश विरोधी तत्व इस बहाने फिर एक बार देश जलाने मे लगा है। दरअसल मोदी सरकार में ये कोई पहली घटना नहीं है।

इससे पहले भी किसान आंदोलन, एनआरसी एवं सीएए और एससी एसटी एक्ट दुरुपयोग मामले में ऐसा हो चुका है। अपने आठ वर्षों के कार्यकाल में इन महत्वपूर्ण मसलों पर सोच, साहस एवं पहल के बावजूद सरकार बैकफुट पर रही है। इन सभी मामलों में योजना के निर्माण और उसकी घोषणा अथवा लागूकरण में विमर्श का घोर अभाव रहा है। इन निर्णयों को लेकर लागू करने से पहले देशव्यापी चर्चा या विमर्श का कोई माहौल नहीं खड़ा किया गया।

वहीं इसको लागू किए जाने के साथ देश भर में जिस व्यापक चर्चा संवाद को किया जाना चाहिए ता वो भी होता हुआ नहीं दिखा। सरकार बस फायदे भर गिनाती रही, वहीं नेता मंत्री बयान और ट्वीट कर सबकुछ नियंत्रण में है जैसा संदेश देते रहे। जबकि परिस्थितियां ठीक इसके उलट रही। सहमति संकल्पनाओं के बावजूद भी ये बदलाव वापस लेने परे या फिर लागू नहीं हो पाए। बात अगर हालिया ज्ञानवापी–पैगंबर विवाद की करें तो बिन मांगे ही संघ एवं भाजपा के शीर्ष नेतृत्व की ओर से बयान आने लगे। आखिर एक लोकतांत्रिक देश में विरोध को कैसे अनुचित ठहराया जा सकता है। वहीं बलात बंदी और सार्वजनिक संपत्तियों के नुकसान को आखिर कैसे कोई जायज ठहरा सकता है। अपराध बोध से भरे इन बयानों में न्याय एवं लोकतंत्र की जगह मजहबी भाईचारे की अपील थी। जबकि वादी पक्ष ने न्यायालय से साक्ष्यों के आधार पर यथाशीघ्र निर्णय की गुजारिश की थी। इसके लिए इनकी मांग 1991 के पूजा अधिनियम की निरस्ती, न्यायालय द्वारा ऐसे सभी मामलों में सुनवाई और शीघ्र निपटारे की है। ऐसा ही कुछ कृषि सुधार कानून में भी हुआ। वर्षों से लंबित इस सुधार को लागू होना था।

इसके कई प्रावधान प्रसिद्ध कृषि विज्ञानी एम एस स्वामीनाथन समिति द्वारा सुझाए गए थे। किंतु महिनों के आंदोलन, हिंसा और पंजाब चुनाव की आहट के नाते इसे पूरी तरह वापस लिया गया। एनआरसी एवं सीएए का मामला भी अब तलक लंबित है। जबकि यह केवल देश के पूर्वी और उत्तर पूर्वी राज्यों की समस्या नहीं अपितु देश की सुरक्षा और मतांधो से मानवता की रक्षा का भी मसला है। इसके बावजूद यह शाहीन बाग जैसे प्रदर्शन और प्रोपगंडा के नाते रुका पड़ा है।

एससी एसटी एक्ट दुरुपयोग मामले मे तो सरकार सर्वोच्च न्यायालय का निर्णय तक पलट चुकी है। पुरोधा संगठन के प्रमुख की आरक्षण पर पुनर्विचार के सोच से ही सरकार बहादुर की पेशानी पर बल पड़ने लगता है। जबकि इसका आधार एकात्म मानववाद रूपी समानता का सम्यक दर्शन से जुड़ा है। देशव्यापी संपर्क और करोड़ों सदस्यों के बावजूद भी ऐसे हर मसले पर अटकाव ही दिखता है।

अमिय भूषण

संपादकीय

ये आग जो लगी है

अभी जो आग लगी है, उससे अविलंब सबक लेने की जरूरत है। नीति निर्माताओं को इस बात पर सोचना चाहिए कि आखिर पिछले तीन साल सड़कें लोगों के गुस्से के इजहार क्या मंच क्यों बन गई हैं?

सरकार की अग्निपथ योजना से सचमुच देश में आग भड़क उठेगी, सत्ता में ऊंचे पदों पर बैठे लोगों को इसका अंदाजा नहीं रहा होगा। लेकिन अब जबकि आग की लपटें दूर-दूर तक दिखी हैं, तो यह उचित होगा कि वे इसके कारणों पर गौर करें। अग्निपथ योजना से भारत की सुरक्षा व्यवस्था में क्या विसंगतियां पैदा होंगी, यह दीगर सवाल है। व्यापक संदर्भ में असल सवाल यह है कि सरकार की इस प्रायोगिक योजना से आखिर इतने बड़े पैमाने पर नौजवानों में गुस्सा क्यों भड़क उठा? सड़कों पर फूटते गुस्से का दायरा देखते–देखते जिस तरह विभिन्न राज्यों में फैल गया, वह इस बात का संकेत है कि सारे में बेहतर जिंदगी के प्रति निराशा का भाव समान रूप से फैला हुआ है। जब आम लोगों के आर्थिक हालात लगातार बिगड़ रहे हों, तो ऐसे भाव का घर जमा लेना अस्वाभाविक नहीं है।

इस परिस्थिति में अब हेडलाइन मैनेजमेंट की सीमाएं साफ होने लगी हैं। सरकार को इस पहलू पर अब अवश्य ध्यान देना चाहिए कि आर्थिक आंकड़ों में हेरफेर से जनमत को संभालना अब लंबे समय तक संभव नहीं होगा। इस रूप में ये प्रयास खुद सरकार के लिए झांसा बन कर रह जाएगा, जैसाकि अभी हुआ दिखता है। लेकिन यह स्थिति सिर्फ वर्तमान सरकार के लिए चुनौती नहीं है। बल्कि विपक्षी दलों के सामने भी यह सवाल है कि अब जहां देश पहुंच चुका है, उसे वहां से निकलाने का उनके पास क्या फॉर्मूला है?

तालिबान को मान्यता नहीं देने के फैसले पर अब भी अडिग

तालिबान को दोबारा मजबूत होते देख अमेरिका ने पिछले साल जब काबुल से बाहर निकलने का फैसला किया, तब भारत भी अफगानिस्तान से बाहर निकल आया था। दरअसल अमेरिका ने अफगानिस्तान में जैसा बदलाव लाने की इच्छा जताई थी, दो दशक तक उस पर नियंत्रण बनाए रखने के बावजूद वह वैसा कुछ नहीं कर पाया था। 9/11 के बाद अफगानिस्तान की सत्ता से बाहर हुए तालिबान पिछले साल फिर सत्ता पर काबिज हो गए।

अल कायदा भले ही वैसा ताकतवर नहीं रहा, जैसा वह 9/11 के समय था, लेकिन आईएस और टीटीपी (तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान) ने उसकी जगह ले ली। भारत को निशाना बनाने वाले लश्कर और जैश जैसे आतंकी समूह भी मजबूत बने रहे। पिछले साल अमेरिका द्वारा वित्त पोषित अशरफ गनी की सरकार गिरने का मतलब था कि अफगानिस्तान में उथल-पुथल बरकरार रहे। वैसी स्थिति में भारत के सामने अपने राजनयिकों को वहां से बाहर निकाल लेने के अलावा और कोई विकल्प नहीं था। वैसे में उन अफगानी नागरिकों से भी भारत का रिश्ता टूट गया, शांति काल में वह जिनकी मदद कर रहा था। अलबत्ता काबुल में स्थिति सहज होते ही भारत ने अपनी अफगानिस्तान नीति पर पुनर्विचार करने का फैसला लिया। जैसा कि विदेश मंत्रालय ने रेखांकित किया है, भारत एक बार फिर अफगान नागरिकों के साथ अपने ऐतिहासिक और सभ्यतागत संबंध बहाल करने की कोशिश कर रहा है। हालांकि भारत द्वारा तालिबान शासन को मान्यता न देने का निर्णय यथावत है। दरअसल अमेरिकियों के अफगानिस्तान से बाहर निकलने के कुछ दिन बाद ही भारत ने तालिबान के साथ राजनयिक संपर्क का रास्ता खोला था, जब कतर स्थित भारतीय राजदूत दीपक मित्तल ने विगत 31 अगस्त को दोहा में तालिबान के राजनीतिक प्रमुख मोहम्मद अब्बास स्टानिकजई से मुलाकात की थी। विगत जनवरी में संपन्न हुए पहले भारत-मध्य एशिया सम्मेलन में अफगानिस्तान की रुकी हुई परियोजनाओं तथा तुर्कमेनिस्तान-अफगानिस्तान-पाकिस्तान-इंडिया (टीएपीआई) पाइपलाइन परियोजना पर काम शुरू करने का मुद्दा उठा।

तालिबान द्वारा काबुल पर कब्जा करने के बाद भारतीय राजनयिकों को अफगानिस्तान छोड़ना पड़ा, तो उसकी बड़ी वजह सुरक्षा का अभाव ही था। वहां स्थानीय स्तर पर सुरक्षा की स्थिति का आकलन करने के लिए विगत दो जून को एक भारतीय टीम ने अफगानिस्तान का दौरा किया।

अफगानिस्तान में पैदा हुए एकाधिक संकटों के कारण भी पड़ोस के इस देश में हमारी राजनयिक मौजूदगी की जरूरत पैदा हुई है। अगस्त, 2021 में तालिबान के सत्ता में आने के बाद अफगानिस्तान को भीषण खाद्य संकट का सामना करना पड़ा। तब 30,000 टन गेहूं भेजकर भारत ने उसकी मदद की थी। अतिरिक्त 50,000 टन गेहूं भेजने के लिए भारत ने वर्ल्ड फूड प्रोग्राम (डब्ल्यूएफपी) के साथ एक समझौते पर दस्तखत किया था।

इसके अलावा भी भारत ने वहां 13 टन दवाएं, कोविड-19 वैक्सीन की पांच लाख खुराक और गर्म कपड़े भेजे थे। ईरान में रह रहे अफगान शरणार्थियों के टीकाकरण के लिए भारत ने वहां भी कोवाक्सिन की 10 लाख खुराक भेजी थी। भारत ने अफगानिस्तान को सही समय पर मानवीय मदद पहुंचाई, क्योंकि रूस के यूक्रेन पर हमले के बाद कई देशों में खाद्यान्न का संकट पैदा हो गया है। अफगान नागरिकों को मदद पहुंचाने के लिए वहां की सुरक्षा की स्थिति का आकलन करना जरूरी है।

आनंद कुमार

मिला जुला

सुरक्षा बलों ने चीनी पिस्तौल, मैगजीन और गोलियां बरामद किया

जम्मू-कश्मीर के डोडा से एक आतंकी गिरफ्तार

श्रीनगर. जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले में सुरक्षा बलों ने एक आतंकवादी को गिरफ्तार किया है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि आतंकवादी के पास से चीनी पिस्तौल, दो मैगजीन और कुछ गोलियां बरामद की गई हैं। उन्होंने बताया कि गोपनीय सूचना के आधार पर पुलिस और सुरक्षा बलों के संयुक्त तलाश दल ने डोडा शहर के बाहरी इलाके से आतंकवादी को पकड़ लिया। आतंकी से पूछताछ जारी है।

वहीं, पुलवामा जिले में इस महीने की शुरुआत में एक पुलिस अधिकारी की हत्या के मामले में उसके रिश्तेदार समेत तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है। सब-इंस्पेक्टर फारूक अहमद की 16 और 17 जून की दरमियानी रात को उनके घर के समीप गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। उनका शव धान के एक खेत में मिला था।

प्रवक्ता ने बताया कि सम्बूरा पम्पोर के रहने वाले आरोपी अर्सलान बशीर उर्फ फैजल, तौकीर मंजूर और ओवैस मुश्ताक अधिकारी के पड़ोसी हैं। उन्होंने बताया कि मंजूर पुलिस अधिकारी का रिश्तेदार भी है। उन्होंने बताया कि आरोपियों ने आतंकवादी माजिद नजीर वानी के कहने पर अहमद की कथित तौर पर हत्या की। वानी 21 जून को पुलवामा के तुज्जान इलाके में हुई मुठभेड़ में मारा गया था।

राष्ट्रपति पद के लिए विपक्ष के साझा प्रत्याशी यशवंत सिन्हा ने दाखिल किया नामांकन

नई दिल्ली। राष्ट्रपति पद के लिए विपक्ष के साझा प्रत्याशी यशवंत सिन्हा ने आज अपना नामांकन दाखिल कर दिया था. जिसके बाद विपक्ष के नेताओं ने मीडिया से बात की. मीडिया से बात करते हुए राहुल गांधी ने कहा कि सारे विपक्ष यशवंत सिन्हा को सपोर्ट दे रहे है. ये विचारणीय की लड़ाई है. एक तरफ नफरत है और एक तरफ भाईचारा. वहीं सीपीएम के नेता सीताराम येचुरी ने कहा कि आज जो हालात है यह संविधान की रक्षा का मामला है. जबकि टीएमसी करे नेता सौगात रे ने कहा कि यह रेनबो कलर का है सबका जो यशवंत सिन्हा को समर्थन कर रहे है. बता दें कि नामांकन के समय कई सारे विपक्ष नेता मौजूद थे.

विपक्ष ने दिखाई ताकत

कांग्रेस से राहुल गांधी, अशोक गहलोत और मल्लिकार्जुन खड़गे. एनसीपी से शरद पवार और प्रफुल्ल पटेल. टीएमसी से अभिषेक बनर्जी और सौगत रे. राजद से मीसा भारती. सीपीएम से सीताराम येचुरी. टीआरएस से नमा नागेश्वर राव. डीएमके से ए राजा और त्रिची शिवा. सीपीआई से डी राजा. सपा से अखिलेश यादव. नेशनल कॉन्फ्रेंस से फारूक अब्दुल्ला. आरएलडी से जयंत चौधरी. आई यु एम एल से ई टी मोहम्मद बशीर और आरएसपी से प्रेमचंद्रन सब एक साथ मौजूद हैं. इन सब नेताओं की पार्टी का समर्थन यशवंत सिन्हा के साथ है. इससे पहले रविवार को राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) प्रमुख शरद पवार ने कहा था कि राष्ट्रपति चुनाव में विपक्षी दलों को अपने साझा उम्मीदवार यशवंत सिन्हा की जीत सुनिश्चित करने के लिए हर संभव प्रयास करने होंगे।

राद्रपति चुनने में अनिर्णय...

यशवंत या द्रौपदी मुर्मू... दोराहे पर हेमंत सोरेन

रांची। यशवंत सिन्हा या फिर द्रौपदी मुर्मू... राष्ट्रपति चुनाव लड़ने जा रहे इन दोनों कद्दावर उम्मीदवारों का झारखंड से सीधा नाता है। संयुक्त विपक्ष के उम्मीदवार यशवंत सिन्हा प्रदेश के हजारीबाग जिले से आते हैं। वहीं द्रौपदी मुर्मू आदिवासियों का प्रतिनिधित्व करते हुए छह साल तक झारखंड का राज्यपाल रह चुकी हैं। यही कारण है कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अगुआई वाली झामुमो केंद्रीय स्तर पर विपक्ष में होने के बावजूद अबतक अनिर्णय की स्थिति में है। ममता बनर्जी के साथ जाने या फिर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पसंद को आजमाने के मामले में अबतक कुछ भी तय नहीं हो पाया है। यूं कहें कि हेमंत सोरेन, आदिवासी राजनीति पर मोदी के मास्टर स्ट्रोक से बुरी तरह फंस गए हैं। हालांकि, आज झारखंड मुक्ति मोर्चा की ओर से ये कहा गया है कि कोई भी फैसला लेने से पहले दिल?ली जाकर हेमंत सोरेन केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मिलेंगे। लेकिन क?यों मिलेंगे, यह खुलासा नहीं किया गया है। इधर, झारखंड की सियासत में रोज-रोज सनसनीखेज ट्वीट के जरिये नीचे से ऊपर तक खलबली मचाने वाले भाजपा सांसद निशिकांत दूबे ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने द्रौपदी मुर्मू को राष्ट्रपति पद का उम्मीदवार बनाकर आजादी के 75 साल बाद आदिवासी समाज को बड़ा सम्मान दिया है।

पंजाब के संगरूर से लोकसभा उपचुनाव

जीतने वाले नेता ने आतंकवादी को दिया जीत का श्रेय

चंडीगढ़. पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान के गृह क्षेत्र संगरूर से उपचुनाव जीतने वाले शिरोमणि अकाली दल (अमृतसर) के उम्मीदवार सिमरनजीत सिंह मान ने इसका श्रेय चरमपंथी नेता जरनैल सिंह भिंडरावाले को दिया है और कहा कि, 'वह कश्मीर में भारतीय सेना के अत्याचारों के मुद्दों को संसद में उठाएंगे.'

आम आदमी पार्टी के उम्मीदवार को हराने वाले सिमरनजीत मान ने कहा कि वह बिहार और छत्तीसगढ़ में आदिवासी लोगों की नक्सली बताकर हत्या किए जाने को भी उठाएंगे.

कांग्रेस ने उनके चुनाव जीतने पर चिंता व्यक्त की है. पार्टी प्रवक्ता रणदीप सिंह सुरजेवाला ने ट्वीट किया, 'आज संगरूर में लोकतंत्र हार गया' सुरजेवाला ने ट्वीट किया, 'पंजाब को हिंसा और आतंकवाद की अंधी गली में पीछे नहीं धकेला

जा सकता. कांग्रेस प्रवक्ता जयवीर शेरगिल ने ट्वीट किया, संगरूर उपचुनाव के नतीजे पंजाब के सभी हितधारकों के लिए खतरे की घंटी की तरह काम करेंगे. कांग्रेस के रवनीत सिंह बिट्टू ने ट्वीट किया, 'लोगों द्वारा दिया गया जनादेश हमेशा सर्वोच्च होता है और इस बार यह सिमरनजीत सिंह मान के पक्ष में गया है.

मायावती का फॉर्मूला रहा हिट, आजमगढ़ में हार कर भी कैसे जीत गई बसपा? अखिलेश के लिए आगे की राह कठिन

नई दिल्ली। उत्तरप्रदेश के लोकसभा उपचुनाव में बीजेपी के आगे न आजम खान का गढ़ रामपुर बचा और न ही आजमगढ़ में सपा अपना वर्चस्व बचा पाई. दोनों ही लोकसभा सीटें बीजेपी जीतने में कामयाब रही. रामपुर में घनश्याम सिंह लोधी और आजमगढ़ में दिनेश लाल यादव 'निरहुआ' ने जीत दर्ज की है. वहीं, आजमगढ़ में बसपा प्रत्याशी शाह आलम उर्फ गुड्डू जमाली भले ही तीसरे नंबर पर रहे, लेकिन बसपा प्रमुख मायावती का दलित-मुस्लिम फॉर्मूला यहां कारगर दिखाई दिया. मायावती ने इस सियासी प्रयोग को लेकर आगे भी चलने के संकेत दे दिए हैं, जो

सपा प्रमुख अखिलेश यादव के लिए भविष्य की राहें कठिन कर सकता है? रामपुर लोकसभा सीट पर मायावती ने अपना प्रत्याशी नहीं उतारा था जबकि आजमगढ़ सीट पर बसपा ने गुड्डू जमाली को कैंडिडेट बनाया था. आजमगढ़ में बीजेपी प्रत्याशी दिनेश लाल यादव उर्फ निरहुआ को 3,12,768 वोट मिले हैं।

आजमगढ़ लोकसभा की सभी विधानसभा सीटों पर है सपा

आजमगढ़ जिले में तो दस विधानसभा सीटें आती हैं, लेकिन लोकसभा क्षेत्र में 5 सीटें आती हैं. गोपालपुर, सगड़ी, मुबारकपुर, आजमगढ़ सदर और मेहनगर विधानसभा इस लोकसभा क्षेत्र में आती हैं. इन सभी सीटों पर सपा के विधायक हैं. 2022 चुनाव में इन पांचों सीटों पर सपा को 4.35 लाख तो भाजपा को 3.30 लाख और बसपा को 2.24 लाख मत मिले थे।

पुतिन बोले- बेलारूस को देंगे 'इस्कंदर'

मॉस्को. रूस और यूक्रेन की लड़ाई को 122 दिन हो चुके हैं और जंग रुकने की उम्मीद दूर-दूर तक नहीं दिख रही है. इस बीच रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने ये कहकर चौंका दिया है कि वह अपने पड़ोसी देश बेलारूस को परमाणु हमला करने में सक्षम इस्कंदर मिसाइल सिस्टम उपलब्ध कराएंगे. पुतिन पश्चिमी देशों को यूक्रेन की मदद करने से रोकने के इरादे से पहले भी कई बार परमाणु मिसाइलों के इस्तेमाल की संकेतों में धमकी दे चुके हैं।

खाद की कमी को लेकर भाजपा किसान मोर्चा ने सांकेतिक तौर पर सोसाइटी केंद्रों में जड़ा ताला

जोहार छत्तीसगढ़–सीतापुर।

भाजपा किसान मोर्चा द्वारा सीतापुर तहसीलदार शशिकांत दुबे को 24 जून को क्षेत्र में खाद की कमी को लेकर ज्ञापन सौंपा गया था। तथा उन से अनुरोध किया गया था कि मानसून सत्र चालू हो गया है और खेती किसानी में किसान लग चुके हैं उनको खाद की उपलब्धता जल्दी से सुनिश्चित करें, साथ ही भाजपा किसान मोर्चा के द्वारा जानकारी दिया गया था कि यदि 27 जून तक सभी सोसाइटी केंद्रों में पर्याप्त मात्रा में खाद उपलब्ध नहीं होती है, तो उनके द्वारा सांकेतिक तौर पर सीतापुर के सभी सोसाइटी केंद्रों में ताला जड़ा जाएगा। इसी क्रम में आज सरगुजा के सीतापुर के सभी सोसाइटी केंद्रों में भाजपा किसान मोर्चा के सदस्यों द्वारा, एकत्र होकर छत्तीसगढ़ शासन के द्वारा किसानों को पर्याप्त मात्रा में खाद उपलब्ध नहीं कराने पर,नारा लगाते हुए सांकेतिक तौर पर सीतापुर के भाजपा मंडल अध्यक्ष श्रवण दास के नेतृत्व में आमाटोली सोसाइटी ताला बंद किया गया। वहीं ग्राम गेरसा के सोसाइटी केंद्र में सीतापुर के भाजपा किसान मोर्चा के मंडल अध्यक्ष विनोद अग्रवाल के नेतृत्व में तालाबंदी किया गया। जब इस विषय पर हमारे द्वारा भाजपा मंडल अध्यक्ष से बात किया गया तो उन्होंने बताया, छत्तीसगढ़ शासन किसानों के हित का ध्यान नहीं रख रही है खेती किसानी का समय चल रहा है परंतु उनके द्वारा सोसाइटी केंद्रों में किसानों के लिए पर्याप्त मात्रा में खाद उपलब्ध नहीं कराया जा रहा है। तथा गुणवत्ता हीन व अमानक जैविक खाद को किसानों को थोपा जा रहा है। जिससे किसान काफी ज्यादा परेशान है, खाद की कमी से किसान मार्केट से खाद खरीदने के लिए मजबूर हैं। जहां खाद की कीमत काफी ऊंची है जिससे किसानों को दोहरी मार पड़ रही है, इसलिए हम छत्तीसगढ़ शासन से को बताना चाह रहे हैं कि छत्तीसगढ़ के किसानों के हित को रखते हुए पर्याप्त मात्रा में खाद उपलब्ध कराएं।

एसपी ने जिले के प्रधान आरक्षक विष्णु प्रसाद सप्रे एवं रघुवीर सिंह को स्टार व कैप लगाकर सहायक उप निरीक्षक के पद पर किया पदोन्नत

जोहार छत्तीसगढ़–बेमेतरा।

पुलिस महानिरीक्षक दुर्ग रेंज दुर्ग बीएन मीणा भापुसे के आदेशानुसार 27 जून 2022 को पुलिस अधीक्षक कार्यालय बेमेतरा में पुलिस अधीक्षक बेमेतरा धर्मेन्द्र सिंह एवं अति.पुलिस अधीक्षक पंकज पटेल, अति.पुलिस अधीक्षक रामकुमार बर्मन द्वारा बेमेतरा जिले में कार्यरत प्रधान आरक्षक विष्णु प्रसाद सप्रे एवं रघुवीर सिंह ध्रुव को प्रधान आरक्षक से सहायक उप निरीक्षक की योग्यता सूची वर्ष 2021 में लाये गये थेए जिन्हे प्रधान आरक्षक की पीपी कोर्स उत्तीर्ण करने के पश्चात सहायक उप निरीक्षक के पद पर विभागीय पदोन्नति प्रक्रिया के तहत पदोन्नति प्राप्त प्रधान आरक्षक को स्टार व कैप लगाकर पदोन्नत किया गया। पुलिस अधीक्षक बेमेतरा धर्मेन्द्र सिंह द्वारा पदोन्नत हुए सहायक उप निरीक्षक विष्णु प्रसाद सप्रे एवं रघुवीर सिंह को शुभकामनाए देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की गई। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि पदोन्नति के साथ–साथ पदोन्नत हुए सहायक उप निरीक्षक के उत्तरदायित्व में बढोत्तरी हुई है। इसी उत्तरदायित्व के अनुरूप अपने दक्षता एवं निष्ठा का पूर्ण ईमानदारी से उपयोग करते हुए समाज में कानून तथा शांति व्यवस्था बनाये रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायें। अति.पुलिस अधीक्षक बेमेतरा पंकज पटेल, अति.पुलिस अधीक्षक रामकुमार बर्मन द्वारा भी पदोन्नति प्राप्त सहायक उप निरीक्षक को शुभकामनायें देते हुए बेमेतरा जिले की पुलिसिंग एवं आने वाली परिस्थितियों में सामन्जस्य बनाकर कार्य करने हेतु बताया गया। इस दौरान निरीक्षक सीआर ठाकुर, स्टेनो अजय देवांगन, सउनि अ, दीपक गाजलेंवार, महेन्द्र भुआर्य, संतोष सोनवानी, सउनि एसपी रीडर विनोद शर्मा, प्रधान आरक्षक घनश्याम साहू, मोहित चेलक, महिला प्रधान आरक्षक वर्षा चौबे सहित पुलिस अधीक्षक कार्यालय के अन्य अधि.कर्म. उपस्थित रहे।

पिथौरा क्षेत्र में लुटेरो की धमा चौकड़ी, एक और हुआ लूट का शिकार

जान–माल की सुरक्षा अब भगवान भरोसे

जोहार छत्तीसगढ़–महासमुंद।

पिथौरा थाना अंतर्गत रात फिर से अज्ञात आरोपियों ने राष्ट्रीय राजमार्ग 53 पर एक दुपहिया में जा रहे दुकानदार को अपना शिकार बना कर उससे 4 हजार रूपये नगद और मोबाइल लूट ले गए। इस घटना के पूर्व से असुरक्षा के साये में जी रहे क्षेत्रवासी स्वयं को असहाय समझने लगे है। मिली जानकारी के अनुसार बीती रात राष्ट्रीय राजमार्ग 53 में पिथौरा के काठी ढाबा के पास रात कोई 11 बजे कृषि सेवा केंद्र संचालक कुलेशवर सिन्हा प्रेम कृषि केन्द्र बया रोड लहरौद से लूटपाट व मारपीट की घटना घटित होने की खबर है। घटना की पुष्टि स्थानीय पुलिस द्वारा कर दी गयी है । घटना के संबंध में प्रार्थी कुलेश्वर सिन्हा ने बताया कि वह रात कोई 11 साढ़े 11 बजे मीटिंग से अपने मोटरसाइकिल द्वारा अपने घर जा रहा था। इस बीच हाइवे पर काठी ढाबा के समीप एक पुलिया के पास तीन युवक मोटरसाइकिल से पीछा करते हुए उसका रास्ता रोककर उसे लाठी डन्डे से मारपीट कर करीब 4 हजार रूपये नगद व 25 हजार मूल्य का कीमती मोबाइल लुट कर ले गये। घटना की सूचना कुलेश्वर द्वारा पुलिस को दे दी गयी है। पुलिस जांच पड़ताल मे जुटी है। उक्त सम्बन्ध में विनोद मिज अनुविभागीय अधिकारी पुलिस पिथौरा द्वारा लूट की घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि घटना की सूचना के बाद पुलिस की टीम लगातार जांच पड़ताल की जा रही है। जल्द ही आरोपी गिरफ्तार किये जायेंगे।

अग्नीपथ योजना पर खाद्य मंत्री अमरजीत भगत ने पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ अपने विधानसभा क्षेत्र सीतापुर में किया विरोध प्रदर्शन

जोहार छत्तीसगढ़–सीतापुर।

सीतापुर विधायक निवास के पास क्षेत्रीय विधायक एवं छत्तीसगढ़ शासन के खाद्य एवं सांस्कृतिक मंत्री अमरजीत भगत ने अपने विधानसभा क्षेत्र के सभी पार्टी कार्यकर्ताओं एवं नेताओं के साथ मिलकरए केंद्र सरकार की अग्निपथ योजना का पुराजोर विरोध किया। इस विरोध कार्यक्रम में जनता को एवं लोगों को संबोधित करते हुए उन्होंने केंद्र सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा की केंद्र सरकार हमेशा जनता को छलने का काम करती है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार युवाओं को हर वर्ष दो करोड़ नौकरी उपलब्ध कराने का वादा किया था, परंतु वह पूरा नहीं किया गया। और आज अग्नीपथ योजना के तहत युवाओं को भ्रमित किया जा रहा है, 4 साल की नौकरी में नाहीं उस को पेंशन मिलेगा, नहीं उसकी नौकरी रहेगी। वह भूतपूर्व सैनिक कहलाएगा। यह सब देश के युवाओं के साथ केंद्र सरकार का छलावा है उसे इस तरह की योजना को बंद कर देना चाहिए।

एक नजर

अभ्यास ही सबसे बड़ा गुरु हैं–मणीशंकर दिवाकर

जोहार छत्तीसगढ़–बेमेतरा।

एक सत्य बात साथियों किसी महापुरुष ने सत्य बात कहां है। जिसे सैकड़ों हजारों जगह व्यक्त किया है कि.अभ्यास ही सबसे बड़ा गुरु है। कहीं ना कहीं कभी ना कभी आप ने भी हम ने भी अपने दैनिक जीवन में सुना पढ़ा है। या कोई समाचार पत्रों में पढ़ा ही होगा इस अनमोल शब्द का बहुत ही सटीक और वास्तविक सत्य है यदि कोई व्यक्ति अपने मन में ललक और तन–मन धन से समर्पण भाव से किसी कार्य के प्रति मन लगा दे और केवल अपने कार्य के प्रति तन्मयता के साथ कार्य करें बिल्कुल ही उसको शत प्रतिशत सफलता मिलेगी और समाज के जिस क्षेत्र में भी रहे मगर कोई इंसान ठान ले प्रण करले और उस काम में लग जाये हालांकि उनको उस क्षेत्र विषय में कोई विशेष ज्ञान जानकारी हो या ना हो अभ्यास करता रहे वह अवश्य मंजिल मुकाम प्राप्त कर ही लेता है। कोई भी व्यक्ति स्त्री हो या पुरुष किसी क्षेत्र में पारंगत यूं ही नहीं होता है वह भी सतत् एवं नियमित रूप से अभ्यास करते रहता है या किसी नेतृत्व करता कहां जाए तो गुरु जो मार्गदर्शक वो हमें प्रेरित करते हैं और कार्य के लिए दिशा निर्देश करते हैं। सौ बात की एक बात साथियों कोई भी अपने पेट से या जन्म से कोई कला ज्ञान सिख कर नहीं आता है। या तो वह अपने गुरु के माध्यम से ज्ञान अर्जन करता है या स्वयं कोई कला क्षेत्र में अभ्यास करता करता जिसे आप और हम कहते हैं कि अभ्यास ही सबसे बड़ा गुरु है जिसे और आप और मानते और स्वीकार करते हैं।

पीडब्ल्यूडी अधिकारी ठेकेदार की गंभीर अनियमितता

वर्षा काल में भी निर्माण कार्य, शासकीय नियमों की खुली अवहेलना

जोहार छत्तीसगढ़–महासमुंद।

बसना लोक निर्माण विभाग द्वारा बसना से गढ़पटनी पहुंच मार्ग का निर्माण कार्य विगत 3 माह से करवाया जा रहा है जिसमें डामरीकरण का कार्य बारिश के उपरांत भी जारी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार लोक निर्माण विभाग के नियमों की मानें तो 15 जून के बाद सड़कों पर पूर्ण रुप से डामरीकरण को बंद करना होता है। परंतु बाबजूद इसके इसके आज पर्यंत डामरीकरण का कार्य लोक निर्माण विभाग की सड़कों पर होते आसानी से देखा जा रहा है। नियमत देखा जाए तो 15 जून के बाद सभी सड़कों में डामरीकरण का कार्य पूर्ण रुप से बंद हो जाना चाहिए जिसके बाद डामर करने पर उक्त डामर के ना चिपकने व सड़क से जल्द ही खराब होने के आसार होते जिसके चलते नियमावली के अनुसार 15 जून के बाद डामरीकरण का कार्य पूर्ण रुप से बंद हो जाता है। एक और शासकीय नियमों की धज्जियां उड़ाते हुए वहीं दूसरी ओर लोक निर्माण विभाग के किसी भी आला अधिकारी या कर्मचारी की बगैर मौजूदगी के उक्त डामरीकरण का कार्य में विनोद कुमार जैन के द्वारा करवाया जा रहा है जिस पर लोक निर्माण विभाग के सब इंजीनियर जोशी से फोन पर संपर्क किया गया तो उन्होंने कहा कि वह तो रायपुर में हैं एवं जब डामरीकरण के संबंध में उनसे पूछा गया तो उन्होंने बताया कि 100–200 मीटर लगभग डामरीकरण का कार्य बचा हुआ था जिसे आज पूर्ण करवाया जा रहा है वही लोक निर्माण विभाग के प्रमुख अभियंता चंद्राकर से फोन पर संपर्क किया गया तो उन्होंने कहा कि 15 जून के बाद डामरीकरण का कार्य नहीं होना चाहिए जिसे अभी तत्काल प्रभाव से उनके द्वारा बंद करवाया जा रहा है।

लोक निर्माण विभाग द्वारा इसी तरह अन्य सड़कों पर भी देखा जाए तो विभागीय लचरता के चलते डामरीकरण एवं अन्य कार्य और समय करवाने की बातें सामने आती रहती है जिस पर अधिकारियों के द्वारा संज्ञान न लिए जाने की स्थिति में निर्माण एजेंसियों द्वारा मनमाने ढंग से मुरूम करण मुरूम के उत्खनन एवं डामरीकरण आदि में लापरवाही पूर्वक कार्य करते हुए सड़कों का निर्माण जल्द पूर्ण करने के मकसद से उक्त कार्य को लापरवाही पूर्वक पूर्ण कर दिया जाता है जिससे सड़कें चंद माह में ही उखड़ने टूटने लगती है जिस पर ना तो लोक निर्माण विभाग गंभीर होता है और ना ही निर्माण एजेंसी। जिसका खामियाजा उस क्षेत्र में रह रहे लोग एवं आवागमन हेतु उपयोग कर रहे लोगों को भुगतना होता है बता दें कि शासन द्वारा करोड़ों रुपए की लागत से सड़कों का निर्माण जन सुविधा के नजरिए से करवाया जाता है जिससे आम लोगों को आवागमन में समस्या ना हो परंतु निर्माण एजेंसी की लापरवाही एवं विभाग की लचरता के चलते सड़कों की सही बनावट ना होने के कारण सड़कें जल्द ही उखड़ने टूटने लगती है जिसके चलते शासन की राशि का दुरुपयोग तो होता ही है साथी साथ ही क्षेत्र में रह रहे लोगों को समस्याओं के साथ इसकी भरपाई करनी पड़ती है जिसकी पूर्ण रूप से जिम्मेदारी आखिर किसकी होती है।

सार्वभौम पीडीएस योजना से जिले में 1 लाख 77 हजार परिवार हो रहे लाभांवित

उजियारपुर की मंगलीबाई का गुम हुआ राशनकार्ड, आवेदन पर तुरंत प्राप्त हुआ अंत्योदय राशन कार्ड

जोहार छत्तीगगढ़–कोरिया।

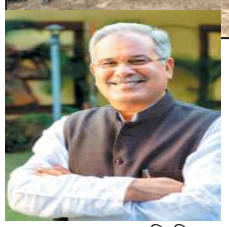

शनकार्ड नहीं, ये जीवन का सहारा

स्टोरी महात्मा गांधीजी की 150 वीं जयंती के अवसर पर 02 अक्टूबर 2019 से छत्तीसगढ़ में सार्वभौम पीडीएस का क्रियान्वयन किया जा रहा है। राज्य शासन के इस कदम का उद्देश्य हर व्यक्ति को राशनकार्ड और राशन उपलब्ध कराना है। शासन की मंशानुरूप जिला प्रशासन द्वारा चलाए गए विभिन्न अभियानों और शिविरों के माध्यम से आसानी से लोगों तक सुविधाएं पहुंच रहीं हैं। विगत तीन वर्षों में जिले के 16 हजार से ज्यादा परिवारों के नवीन राशन कार्ड बनाए गए हैं जिनमें 13 हजार 525 के बीपीएल एवं 2 हजार 405 के एपीएल कार्ड बनाए गए हैं। इसके साथ ही प्रचलित राशनकार्डों में 16 हजार से ज्यादा नए सदस्यों के नाम भी जोड़े गए हैं जिससे गरीब एवं मध्यम वर्ग के लोगों को उचित मूल्य में खाद्य सामग्री उपलब्ध हो रही है।

विशेष पिछड़ी जनजाति के लोगों के लिए भी लगाए गए खास शिविर, 129 परिवारों को मिला लाभ

जनजाति बाहुल्य कोरिया जिले में विशेष पिछड़ी जनजातियां निवास कर रही हैं। जिला प्रशासन द्वारा आदिवासी जन की मदद के लिए विशेष शिविर समय–समय पर आयोजित किये जाते हैं। बीते मई माह में हा जिला प्रशासन द्वारा आधार, राशनकार्ड, पेंशन और हेल्थ कार्ड जैसी अन्य सुविधा उपलब्ध कराने के लिए विशेष कैम्प आयोजित किए गए थे। इन शिविरों में भी जिले के विकासखण्ड भरतपुर, खड़गवां एवं मनेन्द्रगढ़ क्षेत्र में निवासरत विशेष पिछड़ी जनजाति के 129 परिवारों को नवीन राशन कार्ड जारी किए गए। ग्राम पंचायत जरौंधा के 20 जनजातीय परिवारों को मिले राशन कार्ड. प्रशासन की पहल पर विकासखण्ड खड़गवां के ग्राम पंचायत जरौंधा के 20 विशेष पिछड़ी जनजाति बैगा एवं पण्डो जनजाति परिवारों को मई महीने में नवीन राशन कार्ड उपलब्ध कराए गए हैं।

राशनकार्ड नहीं, ये जीवन का सहारा, प्रशासन की मदद से मिला राशनकार्ड

विकासखण्ड खड़गवां के उजियारपुर की मंगली बाई जनपद कार्यालय में राशनकार्ड गुम होने की फरियाद लेकर पहुंची, उन्हें 15 मिनट के भीतर ही नवीनीकृत अंत्योदय राशन कार्ड का पीडीएफ प्राप्त हुआ। इस पर वे बहुत खुश हुई। जनजातीय परिवार से आने वाली मंगली बाई कहती हैं कि राशनकार्ड नहीं, ये जीवन का सहारा है। राशनकार्ड गुम हुआ तो बेहद परेशान हो गई थीए लेकिन प्रशासन की मदद से तुरंत ही नया राशनकार्ड मिल गया। विशेष पिछड़ी जनजाति शिविर में आवेदन किया, शिविर में ही मिल गया राशनकार्ड।

अग्निपथ के विरोध में उतरे कांग्रेसी, पूरे प्रदेश में चला रहे सत्याग्रह

जोहार छत्तीसगढ़–रतनपुर।

अग्निपथ योजना को लेकर कांग्रेस पूरे प्रदेश में सत्याग्रह आंदोलन चला रही है। कोटा विधान सभा क्षेत्र के रतनपुर में इस आंदोलन का नेतृत्व कर रहे कांग्रेस जिला ग्रामीण अध्यक्ष विजय केशरवानी,जिला पचांयता अध्यक्ष अरुण चौहान,ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष रमेश सूर्या,आशीष शर्मा,नीरज जयसवाल,विरोध प्रदर्शन मे क्षेत्र के सैकड़ों कांग्रेस कार्यकर्ता शामिल हुए। रतनपुर में विरोध प्रदर्शन की अगुवाई कर रहे विजय केशरवानी ने अग्निपथ योजना को देश के युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ बताया। उन्होंने सरकार पर सवाल उठाते हुए कहा कि क्या इस तरह की योजना सफल हो पाएगी। सेना में इस प्रकार के प्रयोग देश की सुरक्षा के लिए घातक सिद्ध होगा। इसके कारण देश के युवा आंदोलन कर रहे हैं। इस दौरान अरुण चौहान ने कहा कि केंद्र में बैठी मोदी सरकार ने देश के युवाओं से 2014 में कहा था कि 2 करोड़ युवाओं को रोजगार देंगे। 8 सालों में करोड़ लोगों को रोजगार देना था। अब सरकार युवाओं के साथ छल करते हुए अग्निपथ योजना के तहत सेना में महज 4 वर्ष के लिए नौकरी देने की बात कह रही है। 4 साल बाद ये युवा फिर बेरोजगार होंगे तो वे क्या करेंगे। हमारा विरोध सरकार इन नीतिओं के खिलाफ है। इस कार्यक्रम में कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित थे जिसमें सुभाष अग्रवाल,यासीन खान,आशीष शर्मा,नीरज जायसवाल,हारून बेग,मिर्जा रफीक बेग,जितेन दुबे इलियास कुरेशी,बालकृष्ण मिश्रा,रवि रावत, राजा रावत,नीलिमा सिंह आदि उपस्थित थे।

अग्निपथ के विरोध में कांग्रेस का सत्याग्रह विधानसभावार आंदोलन चिरमिरी में गरजे विधायक विनय

स्थानीय युवा अग्निवीरो ने योजना का खुलकर किया विरोध, विधायक मनेंद्रगढ़ मंच पर बैठ किया सम्मान

जोहार छत्तीसगढ़-कोरिया।

रक्षा सेनाओं में भर्ती के लिए केंद्र सरकार की अग्निपथ योजना के विरोध में कांग्रेस सड़क पर है। आज सोमवार को प्रदेश कांग्रेस कमेटी के आह्वान पर कांग्रेस नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने अलग-अलग विधानसभा क्षेत्रों में सत्याग्रह किया।

कोरिया जिले के मनेंद्रगढ़ विधानसभा के विधायक डॉ. विनय जायसवाल की अगुवाई में नगर निगम चिरमिरी के डोमनहिल क्षेत्र में स्थापित जय स्तंभ चौक के सामने प्रदर्शन किया। कांग्रेस नेताओं ने केंद्र सरकार की रीती निति के विरोध में जम कर बरसे और ईश्वर से उन्हें सद्बुद्धि की प्रार्थना करते हुए विपक्ष में रहने की कामना की। कांग्रेस ने प्रदेश के सभी 90 विधानसभा क्षेत्रों में सत्याग्रह की घोषणा पिछले सप्ताह की थी। तीन दिन पहले सभी ने जगह तय कर लिया। एक दिन पहले से ही इसकी तैयारियां शुरू हो गई। सोमवार सुबह 10 बजे से ही सत्याग्रह के मंच पर कार्यकर्ताओं का जुटना शुरू हो गया। जो मनेंद्रगढ़ विधानसभा के कार्यकर्ताओं ने मनेंद्रगढ़ विधायक की अगुवाई और आह्वान पर चिरमिरी के डोमनहिल स्तंभ चौक पर प्रदर्शन किया। विधायक मनेंद्रगढ़ डॉ. विनय जायसवाल ने विरोध प्रदर्शन करते हुए उपस्थित जन मानस को कहा की, यह योजना देश के साथ धोखा है। इससे सेना भी कमजोर होगी और सैनिक बनने के लिए कई सालों से मेहनत कर रहे युवा भी चार 5 साल की सर्विस से निराश होंगे। इससे उनका मनोबल भी टूटेगा। विधायक डॉ. विनय ने कहा की अग्निपथ योजना को लेकर भारत देश के सभी युवाओं में आक्रोश का माहौल निर्मित हुआ हैए जिसकी जिम्मेदार भारतीय जनता पार्टी की केन्द्र सरकार है। यह अग्निपथ योजना भी तीन कृषि कानूनों की तरह ही है और इसे भी केन्द्र सरकार को वापस लेना होगा। इस दौरान केंद्र पर निशाना साधते हुए विधायक जायसवाल ने कहा कि सरकार ने पहले 18 से 21 फिर 21 से 24 साल तक के युवाओं को सेना की चार साल तक की ट्रेनिंग देने की योजना लाई है। ये वही समय होता है। जब युवा कॉलेज की पढ़ाई में व्यस्त होते हैं। ऐसे में चार साल की आधी-अधूरी नौकरी के कारण उनका जीवन बर्बाद हो जाएगा।

बहरहाल इस विरोध प्रदर्शन में और भी वक्ताओं ने अपने कथन अनुसार केंद्र सरकार की योजना का विरोध किया और यह आंदोलन को मात्र शुरवात करने की बात कही जो निरंतर जारी रहेगा।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से नगर पालिका अध्यक्ष मनेंद्रगढ़ प्रभा पटेल, उपध्यक्ष कृष्ण मुरारी तिवारी, नगर निगम सभा पति गायत्री बिरहा, नगर पंचायत अध्यक्ष रजनीश पाण्डेय,उपध्यक्ष सत्तार अली, ब्लाक अध्यक्ष चिरमिरी सुभाष कश्यप, ब्लाक अध्यक्ष मनेंद्रगढ़ राजेश शमा, ब्लाक अध्यक्ष खड़गवां मनोज साहू, सांसद प्रतिनिधि अशोक श्रीवास्तव, पूर्व पार्षद बलदेव दास, कांग्रेस पार्टी के सभी निर्वाचित पार्षद, मनोनीत पार्षद, महिला कांग्रेस, युवा कांग्रेस, एनएसयुआई के पदाधिकारी एवं सदस्य सेवा दल के सभी पदाधिकारी एवं सदस्य,किसान मोर्चा के सभी पदाधिकारियों के साथ भारी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्त्ता और स्थानीय नागरिक मौजूद रहे।

एक नजर

ग्राम खोपली बागबाहरा में हुआ महिला का कत्ल,मृतिका का फरार आरोपी पति गिरफ्तार

जोहार छत्तीसगढ़-बसना।

प्रार्थी संतोष मेहर पिता बोधीराम मेहर उम्र 22 साल साकिन ग्राम खोपली द्वारा रिपोर्ट दर्ज कराया गया कि 26 जून 2022 के शाम 6 बजे प्रार्थी संतोष मेहर के बड़े भाई खिलावन मेहर और उनकी भाभी कौशिल्या मेहर के बीच उनके बच्चे राहुल के हाथ में आई मोच की बात को लेकर आरोपी खिलावन मेहर द्वारा अपनी पत्नी को कुल्हाड़ी से गर्दन पर वार करके हत्या कर देने की रिपोर्ट पर थाना बागबाहरा में अपराध क्रमांक 127/2022 धारा 302 भादवि कायम कर विवेचना में लिया गया। विवेचना के दौरान आरोपी की पता तलाश के दौरान सुबह-सुबह ग्राम खोपली आरटीओ बेरियर के पास आरोपी छिपा था। जिसे हिरासत में लेकर पुछताछ करने पर गुस्से से आवेश में आकर अपनी पत्नी कौशिल्या मेहर का हत्या करना बताया तथा घटना में प्रयुक्त कुल्हाड़ी एवं खून लगे कपड़े को घर के शौचालय के पीछे छुपा कर रखना बताया। जिसे बरामद कर जप्त कर कब्जा पुलिस लिया गया। आरोपी खिलावन मेहर द्वारा जुर्म स्वीकार एवं अपराध सबूत पाये जाने पर विधिवत गिरफ्तार किया गया है। मामला अजमानतीय होने से आरोपी को ज्यूडिशियल रिमाण्ड पर भेजा गया। सम्पूर्ण कार्यवाही पुलिस अधीक्षक विवेक शुक्ला एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मेघा टेम्भूरकर तथा अनुविभागीय अधिकारी कपिल चंद्रा के निर्देशन में थाना प्रभारी उनि स्वराज त्रिपाठी, सउनि जनकलाल पटेल, प्रधान आरक्षक विक्रांत पाण्डेय, आरक्षक ठाकुर राम पटेल मेहत्तर साहू,मुकेश चौधरी,नुतेन्द्र साहू,शंकर ठाकुर,जितेन्द्र ठाकुर,शैलेन्द्र सिरमोर का विशेष योगदान रहा।

सामान्य वर्ग आरक्षण में अन्य वर्ग की दखलंदाजी हो बंदः सिन्हा

कोरबा । सामाजिक कार्यकर्ता विनोद सिन्हा ने बयान जारी कर कहा कि सरकार द्वारा सभी वर्गों को आरक्षण की पात्रता दी गई है, लेकिन दुर्भाग्य है कि सामान्य वर्ग के आरक्षण में अन्य वर्ग भी शामिल होकर उनके अधिकारों का हनन कर रहे हैं। इसलिए संविधान संशोधन आवश्यक हो गया है।

सिन्हा ने कहा कि शासकीय, गैर शासकीय संस्थानों तथा विधानसभा एवं लोकसभा में भी निर्धारित आरक्षण पद्धति पूरे देश में लागू है लेकिन सामान्य वर्ग के आरक्षण में आरक्षित वर्ग के भी अभ्यार्थी शामिल होकर सामान्य वर्ग को अधिकारों से वंचित कर रहे हैं जो न्याय उचित नहीं है। शासन द्वारा अनुसूचित जातिए अनुसूचित जनजाति तथा पिछड़ा वर्ग को सभी संस्थानों में आरक्षण का प्राविधान है तो फिर सामान्य वर्ग के आरक्षण में घुसपैठ कर सामान्य वर्ग के अधिकारों से वंचित करना सामान्य वर्ग के मौलिक अधिकारों का हनन है। प्रदेश व केंद्र सरकार को गंभीरता पूर्वक विचार करते हुए निर्णय लेने की जरूरत है। विधानसभा व लोकसभा चुनाव में भी आरक्षित सीट में अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति वर्ग को आरक्षण का प्रावधान है लेकिन सामान्य वर्ग के सीट से अनुसूचित जाति व जनजाति द्वारा उम्मीदवार घोषित होना अनुचित है। आरक्षित वर्ग को दोहरा लाभ दिया जा रहा है।

स्वामी आत्मानंद स्कूल नवागढ़ के शाला प्रवेश उत्सव में कलेक्टर हुए शामिल

जोहार छत्तीसगढ़-बेमेतरा।

बेमेतरा जिले के विकासखण्ड मुख्यालय नवागढ़ के स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेमी माध्यम स्कूल में सोमवार को शाला प्रवेश उत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ कलेक्टर विलास भोसकर संदीपान एवं पुलिस अधीक्षक धर्मेन्द्र सिंह ने माता सरस्वती की प्रतिमा का पूजा.अर्चना कर किया। इस दौरान उन्होने छात्र.छात्राओं को मन लगाकर पढ़ने एवं अपने परिवार एवं अपने देश का नाम रोशन करने की अपील की। जिला बेमेतरा अंतर्गत 27 जून से 10 जुलाई 2022 तक जनसंख्या स्थिरीकरण पखवाड़ा का आयोजन किया जा रहा है। जिसके अंतर्गत आज कलेक्टर विलास भोसकर संदीपान के मार्गदर्शन में सास बहू एवं नव.दंपत्ति सम्मेलन का आयोजन जिला चिकित्सालय बेमेतरा में किया गया। परिवार नियोजन के स्थाई साधन नसबंदी एवं अस्थाई साधन कॉपर.टी, अंतरा इंजेक्शन, कंडोम, छाया गोली के लिए पात्र लोगों को प्रोत्साहित करने जिले में पखवाड़ा का शुभारंभ किया गया। इस क्रम में जिले में समुदाय के बीच सास बहू सम्मेलन कराये जाएंगे। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी द्वारा परिवार नियोजन के साधनों के प्रसार हेतु सारथी रथ का शुभारंभ किया गया। सम्मेलन के दौरान समस्त लक्ष्य दंपत्ति को परिवार नियोजन साधनों के बारे में जागरूक किया गया एवं गेम, क्विज प्रतियोगिता के माध्यम से प्रोत्साहित कर पुरस्कार वितरण किया गया। कार्यक्रम में सिविल सर्जन डॉ. वंदना भेले, जिला कार्यक्रम प्रबंधक सुश्री लता बंजारे, जिला सलाहकार शोभिका गजपाल, डॉ. प्रतीक प्रधान, यामिनी जोशी, देवेन्द्र नामदेव, आरती दत्ता, रेखा कविलाश एवं दीप्ति उपस्थित थे।

अविश्वास प्रस्ताव से पदच्युत हुये चिखली के सरपंच

जोहार छत्तीसगढ़-महासमुंद।

पिथौरा विकासखंड के ग्राम पंचायत चिखली के सरपंच मोहनदास के विरूद्ध अविश्वास प्रस्ताव पारित हो गया है। ग्राम पंचायत चिखली के सभी निर्वाचित पंचों के द्वारा सरपंच मोहन दास के विरूद्ध अविश्वास प्रस्ताव के आवेदन पर अनुविभागीय अधिकारी राजस्व एवं विहित प्राधिकारी पिथौरा राकेश कुमार गोलछा के द्वारा शुक्रवार 24 जून को ग्राम पंचायत चिखली का सम्मिलन निर्धारित किया गया था। इस हेतु पीठासीन अधिकारी तहसीलदार पिथौरा लीलाधर कंवर के द्वारा ग्राम पंचायत भवन मे निर्धारित तिथि पर मतदान कराया गया। उपस्थित सभी 13 पंचो के द्वारा सरपंच को हटाने के लिये अविश्वास प्रस्ताव के पक्ष में मतदान किया गया। पीठासीन के द्वारा अविश्वास प्रस्ताव पारित होने की घोषणा एवं प्रतिवेदन के आधार पर अनुविभागीय अधिकारी राजस्व एवं विहित प्राधिकारी पिथौरा राकेश कुमार गोलछा के द्वारा ग्राम पंचायत चिखली के सरपंच मोहनदास को सरपंच पद से मुक्त कर दिया है एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी पिथौरा को छत्तीसगढ़ पंचायत राज अधिनियम के प्रावधानों के तहत अग्रिम कार्यवाही किये जाने हेतु निर्देश जारी कर दिये गये हैं।

घर वालों ने शराब छोड़ने को कहा तो युवक ने कर ली आत्महत्या

कोरबा । जिले से आत्महत्या का एक विचित्र मामला सामने आया है। युवक को शराब की ऐसी लत की परिजनों ने शराब पीने से रोका तो कर ली आत्महत्या। मामला कोरबी चौकी क्षेत्र के तेंदूपारा दम्महामुड़ा गांव का है जहाँ 22 वर्षीय रवि कुमार ने बिजली के टावर पर चढ़कर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। परिजनों ने बताया की युवक को शराब पिने की बुरी लत थी और वे लम्बे समय से उसपर शराब छोड़ने के लिए दबाव दाल रहे थे। लेकिन युवक ने शराब छोड़ने के बजाय आत्महत्या करने का गलत रास्ता अपना लिया। जानकारी के अनुसार मृतक युवक अक्सर शराब पीकर गांव में घूमता रहता और हुड़दंग करता था। जिस वजह से उसके परिजन भी उससे परेशान थे और उसे शराब छोड़ देने को कहते थे। रोज़ाना की तरह ही युवक शुक्रवार को भी जंगल की ओर लकड़ी लेने गया था, जहां से जब वह वापस लौटा तो वह नशे में धुत था। इस बात को लेकर उसकी परिजनों से बहस भी हुई। इस बात से वह नाराज हो गया और बहस कर के वहां से चला गया। युवक उस रोज़ रातभर घर नहीं आया। शनिवार सुबह तक जब वह घर नहीं लौटा तब परिजन उसे खोजते हुए दम्महामुड़ा जंगल की तरफ गये और वहां उन्होंने देखा की युवक बिजली की हाईटेंशन लाइन के टावर पर फांसी के फंदे से लटका हुआ है। परिजनों ने घटना की सूचना कोरबा चौकी को दी, जिसके बाद चौकी प्रभारी बसंत कुमार साहू स्टाफसहित मौके पर पहुंचे और शव को फंदे से उतरा गया। मृतत के शरीर पर किसी भी तरह के चोट का निशान नहीं होने से पुलिस आत्महत्या का अंदेशा लगा रही है।

जिले के समस्त पहुँचविहीन ग्रामों में जारी है स्वास्थ्य शिविर

कवर्धा । मंत्री मोहम्मद अकबर के मंशानुरूप व जिला कलेक्टर रमेश कुमार शर्मा के निर्देश पर मौसमी बीमारियों से लोगों को बचाने के लिए बरसात आने के पहले से ही जनजागरूकता कार्यक्रम चलाकर डोर टू डोर सर्वे कराया गया। इसके पश्चात चिन्हांकित पहुच विहीन ग्रामों में स्वास्थ्य जांच शिविर लगाकर लोगों को स्वास्थ्य लाभ दिया जा रहा है। इस सम्बंध में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ सुजॉय मुखर्जी ने बताया कि जिले में स्वास्थ्य सेवाओं को जनता तक सरलता से पहुचाने के उद्देश्यों से लगातार प्रयास जारी है। इसी कड़ी में जिले के लोहारा विकासखण्ड के 5, पंडरिया के 14 और बोड़ला के 21 चिन्हांकित पहुँचविहीन ग्रामों में स्वास्थ्य जांच व दवा वितरण शिविरों का आयोजन किया जा रहा है।

एक सरंपच एवं तीन पंच के होगा आज मतदान

1573 मतदाता करेंगे अपने मताधिकार का प्रयोग

जोहार छत्तीसगढ़-बेमेतरा।

त्रिस्तरीय पंचायत उप निर्वाचन 2022 अंतर्गत नाम वापसी उपरांत जिले में 01 सरपंच तथा 03 पंच पद के लिए 28 जून 2022 को मतदान कराया जाएगा। मतदान सामग्री का वितरण कर मतदान दलों की रवानगी संबंधित जनपद पंचायत मुख्यालय से कर दिया गया है। इस उप निर्वाचन में 1573 मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। जनपद पंचायत नवागढ़ अंतर्गत ग्राम पंचायत बाघूल में सरपंच पद के लिए 02 अभ्यर्थी है। यहा मतदाताओं की संख्या 1110 है। इसी प्रकार ग्राम पंचायत संबलपुर के वार्ड क्रमांक 11 में पंच पद के लिए 03 अभ्यर्थी एवं 150 मतदाता है तथा ग्राम पंचायत कामता के वार्ड क्रमांक 12 में 02 अभ्यर्थी एवं 103 मतदाता है। जनपद पंचायत बेमेतरा के ग्राम पंचायत कुसमी के वार्ड क्रमांक 04 में पंच पद के लिए मतदान कराया जाएगा जहां 02 अभ्यर्थी एवं 210 मतदाता है। मतदान 28 जून 2022 को प्रात: 07 बजे से अपरान्ह 03 बजे तक होगा। मतदान के लिए मतदाता को 16 प्रकार के पहचान पत्रों मतदाता पहंचान पत्र, राशन कार्ड, पेन कार्ड, आधार कार्ड, ड्राईविंग लायसेंस इत्यादिद्ध में से किसी एक पहचान पत्र को मतदान केन्द्र में दिखाना होगा। मतदान समाप्ति उपरांत मतदान केन्द्र में ही मतगणना का कार्य किया जाएगा। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी विलास भोसकर संदीपान द्वारा निर्वाचक कार्य के व्यवस्थित एवं निर्विघन संपादन हेतु 02 सेक्टर अधिकारी एवं सेक्टर मजिस्ट्रेट नियुक्त किये गये है तथा पुलिस विभाग द्वारा कानून व्यवस्था बनाए रखने हेतु आवश्यक पुलिस बल की ड्यूटी लगाई गई है।

श्री धन्वन्तरि जेनरिक मेडिकल स्टोर योजना जिले में संचालित

7 मेडिकल स्टोर से 10,643 लोगों ने 1.32 करोड़ की दवाइयां ली, 56.71 में, 75.83 लाख की बचत

जोहार छत्तीसगढ़-कोरिया।

शासन की महत्वाकांक्षी योजना धनवन्तरि जेनरिक मेडिकल स्टोर से लोगों को दवाईयों के खर्च पर होने वाले बोझ से बड़ी राहत मिली है।

रियायती दर पर दवाइयां मिलने पर लोगों ने कहा बजट में फिट बैठने वाली है योजना

जिले में संचालित सात मेडिकल स्टोर के माध्यम से लोगों को उच्च गुणवत्तायुक्त जेनरिक दवाइयां सस्ते दाम पर उपलब्ध हो रहीं हैं, यहां 251 प्रकार की दवाइयां, 27 प्रकार के सर्जिकल उत्पाद के साथ हीं छत्तीसगढ़ हर्बल उत्पाद भी सस्ते कीमत पर मिल रहे हैं।

10.643 लोगों ने 75.83 लाख की बचत पर खरीदी 56.71 लाख की दवाइयां

श्री धनवन्तरि जेनरिक मेडिकल स्टोर योजना से अब तक 10 हजार 643 लोगों को 75 लाख 83 हजार रुपए की बचत हुई है, आरंभ से 20 जून 2022 तक 1 करोड़ 32 लाख 54 हजार एमआरपी की दवाइयां आमजनों को 56 लाख 71 हजार रुपए में मिली है। नगर पालिका निगम बैकुण्ठपुर में 31 लाख 65 हजार, नगर पालिका परिषद चिरमिरी में कुल 18 लाख 46 हजार, नगर पालिका परिषद मनेन्द्रगढ़ में 5 लाख 82 हजार रुपये की दवाइयां खरीदी गई हैं। इसी तरह नगर पालिका परिषद शिवपुर चरचा, नगर पंचायत खोंगापानी, नगर पंचायत झगराखण्ड तथा नगर पंचायत नई लेदरी में 78 हजार रुपए की दवाइयों की लोगों द्वारा खरीदी गई है।

मेडिकल स्टोर में दवा खरीदने आए लोगों ने साझा किया अनुभव

नगर पालिका परिषद चिरमिरी स्थित मेडीकल स्टोर में दवा खरीदने आए फिरोज खान बताते हैं कि उन्हें पहले परिवार के लिए माह में 2500 से 3000 तक कि दवाइयां खरीदनी पड़ती थी। शासन की इस योजना से उन्हें दवाइयों पर मात्र 600-700 रुपए ही खर्च करना पड़ रहा है। शासन की धनवन्तरि जेनरिक मेडिकल योजना बजट में फिट बैठने वाली है। ये कहना है चिरमिरी बड़ा बाजार निवासी प्रहलाद पाठक का। वे बताते हैं कि महंगी दवाइयों के बदले असरकारक जेनेरिक दवाओं से उनकी तबियत और जेब दोनों को काफी राहत मिली है। मेडिकल स्टोर में अपनी माता के लिए ब्लड प्रवेश तथा शुगर की दवा खरीदने आए गोदरीपारा के विजय कुमार ने अपना अनुभव साझा करते हुए बताया कि शासन की यह योजना आमलोगों के लिए लाभकारी योजना है। जेनरिक दवाइयां आधी से कम कीमत पर मिलने से मैं बहुत खुश हूं।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक नारायण बाईन, द्वारा आसमा पब्लिसर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड,जयस्तंभ चौक रायपुर से मुद्रित कर मेडरमार कालोनी, जिला-रायगढ़ (छत्तीसगढ़) से प्रकाशित।
संपादक -**नारायण बाईन,** फोन -फैक्स 07766299001, मो, 9479177711, 7489419194 Email-joharchhattisgarh@gmail.com, joharchhattisgarh@yahoo.co.in